This question paper contains 4 printed pages]

HPAS (Main)—2016

PHILOSOPHY

Paper I

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

Note :— Attempt *Five* questions in all. Question No. 1 is compulsory. *All* questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (*i*) Explain the importance of using symbols in Logic.

(*ii*) Why do the Cārvākas reject inference as a source of knowledge ?

(*iii*) Explain the meaning of Sartre's saying "Man is free, Man is Freedom and Man is condemned to be free".

(*iv*) Explain Mimamsaka's doctrine of *Svatahpramānyavāda.*

P.T.O.

(*i*) तर्कशास्त्र में प्रतीकों के प्रयोग का महत्व समझाइये।

(*ii*) चार्वाक ज्ञान के स्रोत के रूप में अनुमान को क्यों नकारते हैं?

(*iii*) सार्त्र के इस कथन की व्याख्या कीजिए : ''मनुष्य स्वतंत्र है, मनुष्य स्वतंत्रता है और मनुष्य स्वतंत्र होने के लिए बाध्य है।''

(*iv*) मीमांसकों के स्वत:प्रमाण्यवाद की व्याख्या कीजिए।

2. Explain the logical positivists' reasons for holding that all metaphysics is meaningless.

तार्किक प्रत्यक्षकारी क्यों मानते हैं कि तत्वमीमांसा निरर्थक है? व्याख्या कीजिए।

3. Explain Hume's reasons for holding that "Necessity is something in the mind, not in the objects".

ह्यूम के इस कथन के कारणों की व्याख्या कीजिए कि ''अनिवार्यता मन में होती है न कि विषय-वस्तुओं में''।

4. What, according to Swami Vivekananda are the main characteristics of 'Universal Religion' ? Can the notion of 'Universal Religion' be a fact or is it merely a utopia ? Explain.

स्वामी विवेकानन्द के अनुसार ''विश्व-धर्म' के क्या गुण हैं? क्या 'विश्व-धर्म' की संकल्पना एक वास्तविकता है, या फिर यह एक मात्र कपोल-कल्पना ही है? व्याख्या कीजिए।

5. Explain and examine Nyāya's proofs for the existence of God.

न्याय दर्शन द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण की असलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

6. State and evaluate Ramanuja's arguments against Samkara in *Saptavidhā Anupapatti.*

रामानुज द्वारा सप्तविधा-अनुपत्ति में शंकर के विरोध में दिए गए तर्कों को प्रस्तुत कीजिए और उनका मूल्यांकन कीजिए।

7. Explain Buddhist doctrine of *Pratityasamutapāda.*

बुद्ध द्वारा प्रतिपादित प्रतित्यसमुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

8. Bring out the relation between Jaina doctrine of saptabhanginaya and the doctrine of anekāntavāda.

जैनों द्वारा प्रतिपादित सप्तभंगीनय और अनेकांतवाद सिद्धान्तों में संबंध की व्याख्या कीजिए।